[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, शनिवार,30 मई 2026 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 5 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 225, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

PADMAVAT MEDIA

पदमावत मीडिया

Reg. No. MH180326353

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

अनमोल वचन

मै एक मजदूर हूँ। जिस दिन कुछ लिख न लूँ, उस दिन मुझे रोटी खाने का कोई हक नहीं।

पर्यावरण संरक्षण, जल संग्रहण.... 02

05 लंबित राजस्व प्रकरणों का ...

खबर संक्षेप

मुंबई में शुरू हुई देश की पहली एआई आधारित भवन अनुमति प्रणाली

मुंबई @ पदमावत मीडिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने भारत की पहली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) आधारित भवन एवं निर्माण अनुमति प्रणाली 'CivitTwin' शुरू की है। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने

मुंबई टेक वीक-2026 के दौरान किया। महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिडे ने बताया कि यह प्रणाली भवन प्रस्तावों की वर्चुअल जांच कर दस्तावेजों, नियमों एवं आवश्यक एनओसी की स्वतः समीक्षा करेगी। इससे त्रुटियों की पहचान प्रारंभिक स्तर पर ही हो सकेगी और भवन स्वीकृति प्रक्रिया अधिक तेज एवं पारदर्शी बनेगी। नई प्रणाली के माध्यम से डेवलपर्स एवं वास्तुविदों का समय और लागत बचेगी, वहीं आवासीय एवं पुनर्विकास परियोजनाओं को भी गति मिलेगी। महानगरपालिका के अनुसार ह्यञ्५३ळ्द्गल्लह्ल भविष्य में शहरी नियोजन, यातायात, जलापूर्ति एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन में भी सहायक साबित होगी।

31 मई से शुरू होगी प्राध्यापक भर्ती परीक्षा

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान लोक सेवा आयोग की प्राध्यापक, कृषि प्राध्यापक एवं कोच भर्ती परीक्षा-2025 का आयोजन 31 मई से 5 जून तक किया जाएगा। परीक्षा के लिए जिले में 85 केंद्र बनाए गए हैं। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल के निर्देशन में प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि 31 मई को सामान्य ज्ञान ग्रुप-ए की परीक्षा में 27,552 तथा हिंदी विषय की परीक्षा में 12,216 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा संचालन के लिए 29 उप समन्वयक, 123 ऑब्जर्वर तथा 15 सतर्कता दल नियुक्त किए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे।

50 दिवसीय योग काउंटडाउन के तहत 31 मई को होगा योग पूर्वाभ्यास

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों के तहत 50 दिवसीय योग काउंटडाउन कार्यक्रम के अंतर्गत 31 मई को प्रातः सुखाड़िया समाधि परिसर में सामूहिक योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास आयोजित किया जाएगा। सहायक निदेशक भानु कुमार जैन ने बताया कि जिलेभर में योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं तथा आमजन को योग से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं योग समन्वयक वैद्य डॉ. शोभालाल औदीच्य ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। कार्यक्रम में विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं योग निद्रा का अभ्यास कराया जाएगा। आयोजन में योग साधकों, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता रहेगी।

जल जीवन मिशन की मासिक समीक्षा बैठक आज

सलूम्बर @ पदमावत मीडिया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) की मासिक बैठक 30 मई को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कलेक्टर कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगी। अधिशासी अभियंता एवं सदस्य सचिव गोपीचंद चंद वर्मा ने बताया कि बैठक में जल जीवन मिशन की स्वीकृत एवं प्रगतिरत योजनाओं, हर घर जल प्रमाणीकरण, भूमि आवंटन, जल सेवा आंकलन, ग्रीष्म संवर्धन कार्य योजना तथा स्कूलों, आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केंद्रों में नल कनेक्शन की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

इसके अलावा योजनाओं के संचालन एवं संधारण, नल जल मित्र, जल अर्पण दिवस, अंतिम बिल भुगतान तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बड़ा प्रहार, एक आईएएस सहित 103 अधिकारी निलंबित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार कड़े कदम उठा रही है। सरकार ने भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, रिश्वतखोरी और लापरवाही के मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए पिछले ढाई वर्षों में एक आईएएस अधिकारी सहित 103 अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं 6 अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है तथा 11 अधिकारियों की आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन पर रोक लगाई गई है।

राज्य सरकार द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी सख्त कार्रवाई की गई है। रिश्वत, ट्रैप, आय से अधिक संपत्ति एवं पद के दुरुपयोग से जुड़े 108 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य मामलों में भी कार्रवाई की गई है।

दोष सिद्ध होने पर सीधे सेवा से किया बाहर

सरकार ने न्यायालय में दोष सिद्ध होने के बाद कई अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त किया है। इनमें तत्कालीन विकास अधिकारी सुवाणा (भीलवाड़ा) भरत प्रकाश मेघवाल, तत्कालीन कृषि उपनिदेशक झुंझुनूं राजेश कुमार नैनावत, तत्कालीन सहायक आयुक्त वित्त कर भरतपुर महावीर सिंह आसीवाल, चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम मोहन सिंह चौहान, डॉ. मुरलीधर शर्मा तथा डॉ. मनोहर लाल शामिल हैं।

11 अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर लगी रोक

सरकार ने भ्रष्टाचार एवं अन्य गंभीर मामलों में 11 अधिकारियों की आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय लिया है। इनमें तत्कालीन उप सचिव नगर विकास न्यास अलवर बनवारी लाल मीणा, तत्कालीन वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. शिवनारायण यादव, उप सचिव नगर विकास न्यास अलवर देवेन्द्र सिंह ढिल्लो, तत्कालीन विकास अधिकारी कपासन मनोहर लाल सिसोदिया, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कोठारी, डॉ. कल्पना श्रीवास्तव, नृसिंह रेबारी, सुरेश माथुर, महेन्द्र सिंह, डॉ. लक्ष्मण दत्त शर्मा तथा डॉ. अविनाश कुमार शर्मा शामिल हैं।

पेयजल गुणवत्ता में फजीवाड़ा करने वाले अधिकारी पर भी कार्रवाई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अलवर प्रयोगशाला में पेयजल नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती को सेवा से पृथक करने का निर्णय लिया। इसी प्रकार हरिसिंह मीणा, तत्कालीन एपीपी एसीजेएम-4 कोटा को एसीबी न्यायालय से सजा मिलने के बाद सेवा से हटाया गया।

अनिवार्य सेवानिवृत्ति और अन्य कार्रवाई भी जारी

सरकार ने तत्कालीन वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी झालावाड़ डॉ. विलास राव गुल्हाने को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी है। वहीं तत्कालीन अधिशाषी अभियंता आईजीएनपी मोहनगढ़ जैसलमेर देशराज नूनिया की आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन भी रोक दी गई है।

इसके अतिरिक्त विभिन्न मामलों में तत्कालीन एसडीएम डीग देवी सिंह, तत्कालीन बीसीएमओ लालसोट डॉ. पवन कुमार जैन, तत्कालीन एक्सईएन पीएचईडी अलवर मायालाल सैनी, तत्कालीन एईएन पीएचईडी अलवर राकेश चौहान, तत्कालीन लेखाधिकारी राजस्थान जलप्रदाय एवं सीवरेज बोर्ड जयपुर गोपाल लाल कुमावत, तत्कालीन एईएन पीएचईडी नीमराना राकेश सिंह, तत्कालीन जेईएन पीएचईडी नीमराना प्रदीप कुमार, तत्कालीन एक्सईएन पीएचईडी शाहपुरा विशाल सक्सेना तथा तत्कालीन एसीई विशेष परियोजना अजमेर महेन्द्र प्रकाश सोनी सहित कई अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन को पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा है कि जनता के हितों से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय ने विश्वजीत जारोली को प्रदान की पीएचडी उपाधि

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर ने विश्वजीत जारोली को प्राणीशास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह राठौड़ के निर्देशन में किशनगढ़, जिला अजमेर स्थित गुंदोलाव झील एवं हमीर तालाब की जलीय पारिस्थितिकी के विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक प्राचलों के तुलनात्मक अध्ययन विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया।

शोध के दौरान दोनों जल स्रोतों में प्रदूषण स्तर, जंतुप्लवकों (जूप्लैंकटन) की गुणात्मक एवं मात्रात्मक स्थिति का भी विस्तृत अध्ययन किया गया।

शोध प्रबंध के मूल्यांकन हेतु आयोजित ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण में बाह्य परीक्षक एवं राजकीय डूंगर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. दिग्विजय

सिंह शेखावत ने शोधार्थी से विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तर किए तथा शोध कार्य की सराहना करते हुए बधाई दी। शोध के परिणामों में दोनों जल स्रोत सूपोषणीय स्तर के तथा क्षारीय प्रकृति के पाए गए। अध्ययन में विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक प्राचलों तथा जंतुप्लवकों के बीच सांख्यिकीय सह-संबंध का विश्लेषण भी किया गया।

शोध में यह तथ्य सामने आया कि गुंदोलाव झील, हमीर तालाब की तुलना में अपेक्षाकृत कम प्रदूषित है। इसके पीछे प्रमुख कारण हमीर तालाब में प्रदूषित नालों का जल प्रवाह, चमड़ा उद्योगों से निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट, उच्च टीडीएस स्तर, मानवीय हस्तक्षेप, जलकुंभी का अत्यधिक प्रसार तथा रखरखाव की कमी को माना गया है।

शोध के आधार पर दोनों जल स्रोतों के संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रशासन को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, ताकि आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

विश्वजीत जारोली वर्तमान में किशनगढ़ (अजमेर) स्थित श्री रतनलाल कंवरलाल पाटनी गर्ल्स कॉलेज में प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। वे पिछले 11 वर्षों से विभागाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे रहे हैं तथा उन्हें महाविद्यालय शिक्षा क्षेत्र में 22 वर्षों का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

वंदे गंगा अभियान के तहत सीएसआर कार्यशाला आयोजित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिला कलेक्टर परिसर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला की अध्यक्षता में सीएसआर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं नदियों के पुनर्जीवन को लेकर चर्चा की गई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. सापेला ने कहा कि सीएसआर के माध्यम से शहर का सौंदर्यकरण एवं जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा सभी संस्थानों में प्रभावी जल संरक्षण व्यवस्थाएं विकसित करने का आह्वान किया।

उद्योग विभाग द्वारा वंदे गंगा अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी गई। वहीं वाटरशेड विभाग ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान एवं सीएसआर के माध्यम से किए जा सकने वाले जल संरक्षण कार्यों पर प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यशाला में औद्योगिक इकाइयों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

रिलायंस एडीए समूह मामले में सीबीआई की पहली चार्जशीट

नई दिल्ली @ पदमावत मीडिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस एडीए समूह से जुड़े मामलों में पहली चार्जशीट दाखिल करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने 29 मई 2026 को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत में एक प्रकरण में 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट प्रस्तुत की है। आरोपियों में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, कंपनी के पांच वरिष्ठ अधिकारी तथा भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और तत्कालीन सिंडिकेट बैंक के 10 बैंक अधिकारी शामिल हैं।

सीबीआई द्वारा दाखिल चार्जशीट में आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, आपराधिक गबन तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक कदाचार से संबंधित आरोप लगाए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार जांच में 1,200 करोड़ रुपये के टर्म लोन, बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा स्वीकृत 500 करोड़ रुपये की लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधा तथा तत्कालीन सिंडिकेट बैंक द्वारा स्वीकृत 350 करोड़ रुपये की लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधा के कथित दुरुपयोग की जांच की गई है। एजेंसी का आरोप है कि सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग और हेराफेरी से जुड़े तथ्यों के पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद यह चार्जशीट दाखिल की गई है। सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी जारी है। अन्य कंसोर्टियम बैंकों द्वारा स्वीकृत ऋणों की भी जांच की जा रही है तथा कथित धन विचलन और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका का भी परीक्षण किया जा रहा है। एजेंसी ने संकेत दिए हैं कि मामले में जल्द ही पूरक चार्जशीट भी दाखिल की जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और अनिल डी. अंबानी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कंपनी और उसके प्रबंधन ने बैंक को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। जांच के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले 11 बैंकों के कंसोर्टियम ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड को टर्म लोन स्वीकृत किए थे। प्राथमिकी के अनुसार इस मामले में 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल 19,694.33 करोड़ रुपये का जोखिम जुड़ा हुआ है। सीबीआई रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड से जुड़े कुल सात मामलों की जांच कर रही है।

ऑपरेशन त्रिनेत्र : प्रतापगढ़ पुलिस का नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार, 3.20 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर/प्रतापगढ़। मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित काली कमाई पर प्रहार करते हुए प्रतापगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए नशे के कारोबार से अर्जित करीब 3 करोड़ 20 लाख रुपये मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ(1) के तहत फ्रीज कराया है। प्रतापगढ़ थानाधिकारी शंभुसिंह द्वारा तैयार किए गए दोनों संपत्ति फ्रीजिंग प्रस्तावों को भारत सरकार द्वारा अधिकृत कंपिटेंट अथॉरिटी एवं एडमिनिस्ट्रेटर सफेमा , नई दिल्ली ने स्वीकार करते हुए फ्रीजिंग आदेश जारी किए हैं।

शैफुल्ला शेख की 1.55 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पहली कार्रवाई कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर शैफुल्ला शेख के विरुद्ध की गई। नवंबर 2025 में छोटीसादड़ी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बिना नंबर की मोटरसाइकिल से करीब 4.5 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की थी। जांच में सामने आया कि इस खेप का मुख्य सप्लायर बसाड़ निवासी शैफुल्ला शेख था।

लंबे समय से फरार चल रहे शैफुल्ला को जनवरी 2026 में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। गिरफ्तारी के बाद गठित विशेष वित्तीय जांच टीम ने उसकी संपत्तियों का विश्लेषण किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से अपने नाम पर गांव बसाड़ में 0.42 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी थी, जिसकी अनुमानित कीमत 55 लाख रुपये है। इसके अलावा उसने अपने पिता के कब्जे वाली भूमि पर करीब एक करोड़ रुपये की लागत से आलीशान मकान का निर्माण कराया था। पुलिस ने दोनों संपत्तियों को फ्रीज करते हुए विधिक कार्रवाई पूरी कर ली है।

भूरालाल लबाना की 1.65 करोड़ की संपत्ति भी फ्रीज

दूसरी कार्रवाई दिसंबर 2023 में प्रतापगढ़ क्षेत्र में जब्त किए गए 492 किलोग्राम से अधिक अवैध डोडाचूरा प्रकरण में की गई। जांच में इस अवैध कारोबार की कड़ियां अखेपुर निवासी भूरालाल लबाना से जुड़ी पाई गईं, जिसने तस्करी के लिए माल उपलब्ध कराया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस की वित्तीय जांच में सामने आया कि भूरालाल ने अपनी अवैध कमाई को परिवार के सदस्यों के नाम पर निवेश किया था। उसने प्रतापगढ़ शहर के अरनोद रोड स्थित 0.25 हेक्टेयर आवासीय भूखंड पत्नी केसर बाई के नाम से खरीदा, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अतिरिक्त झांसड़ी गांव में पत्नी के नाम पर 55 लाख रुपये मूल्य की 0.42 हेक्टेयर कृषि भूमि तथा पुत्र सुनील लबाना के नाम पर लगभग 10 लाख रुपये कीमत का कुबोटा कंपनी का ट्रैक्टर खरीदा गया था। पुलिस ने इन तीनों संपत्तियों को भी फ्रीज कर दिया है।

दोनों आरोपियों का लंबा आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस के अनुसार शैफुल्ला शेख एक अंतरराज्यीय तस्कर है, जिसके विरुद्ध प्रतापगढ़, हथुनिया, धोलापानी, नीमच सहित विभिन्न थानों में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की सप्लाई, अपहरण, आपराधिक षड्यंत्र तथा कारागृह अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं।

वहीं भूरालाल लबाना मेवाड़ एवं वागड़ क्षेत्र में सक्रिय तस्करी नेटवर्क का संचालन करता रहा है। उसके विरुद्ध प्रतापगढ़, धमोतर, डूंगला तथा मोटागांव थानों में डोडाचूरा, अफीम तस्करी, मारपीट, दंगा और कूटरचना सहित विभिन्न गंभीर प्रकरण दर्ज हैं।

अपराधियों की काली कमाई पर जारी रहेगा प्रहार

जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों के साथ-साथ उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संरक्षण देने वालों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों को केवल जेल भेजना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों को भी कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त किया जाएगा।

नशे के सौदागर अमीर हो रहे हैं, देश का युवा गरीब होता जा रहा है

जब कोई राष्ट्र अपने युवाओं की ताकत पर गर्व करता है, तब उसे यह भी देखना चाहिए कि उसके युवा किस दिशा में जा रहे हैं। आज भारत का युवा अंतरिक्ष में पहुंच रहा है, दुनिया की बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रहा है, खेल, विज्ञान और तकनीक में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो डराती है, झकझोरती है और सोचने पर मजबूर करती है। यह तस्वीर है नशे की गिरफ्त में फंसती युवा पीढ़ी की।

देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह नहीं है कि नशा बिक रहा है, बल्कि यह है कि नशा खरीदने वालों में बड़ी संख्या युवाओं की है। जिन हाथों में कलम होनी चाहिए थी, वहां नशे की सिगरेट है। जिन आंखों में सपने होने चाहिए थे, उनमें नशे का धुआं भर गया है। जिन कदमों को सफलता की ओर बढ़ना था, वे बबार्दी की ओर बढ़ रहे हैं।

हर माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाते हैं, उन्हें अच्छे स्कूल भेजते हैं, अपनी जरूरतों में कटौती कर उनकी इच्छाएं पूरी करते हैं। लेकिन जब वही बच्चा नशे की गिरफ्त में आ जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं हारता, पूरा परिवार हार जाता है। एक मां की ममता हार जाती है, एक पिता का संघर्ष हार जाता है और परिवार के वर्षों के सपने बिखर जाते हैं।

पवन जैन पदमावत
प्रधान सम्पादक
पदमावत मीडिया
@padmavatmedia.in

आज नशे का कारोबार केवल अपराध नहीं, बल्कि समाज के खिलाफ एक सुनियोजित हमला बन चुका है। नशे के सौदागर जानते हैं कि यदि युवा पीढ़ी को कमजोर कर दिया जाए तो समाज अपने आप कमजोर हो जाएगा। इसलिए उनका निशाना हमेशा युवा वर्ग होता है। उन्हें न देश की चिंता होती है, न किसी परिवार के आंसुओं की। उन्हें केवल पैसा दिखाई देता है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस युवा को अपने करियर के पीछे भागना चाहिए, वह नशे के पीछे भाग रहा है। जिसे अपने माता-पिता का सहारा बनना चाहिए, वह खुद सहारे की तलाश में भटक रहा है। जिसे अपने सपनों को पूरा करना चाहिए, वह अपनी जिंदगी को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है।

नशा कभी किसी की समस्या का समाधान नहीं बना। उसने हमेशा समस्याओं को बढ़ाया है। नशे ने घर उजाड़े हैं, रिश्ते तोड़े हैं, अपराध बढ़ाए हैं और अनगिनत युवाओं का भविष्य निगल लिया है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों की युवा पीढ़ी कमजोर हुई, वे समाज ज्यादा समय तक मजबूत नहीं रह पाए।

यह समय केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं है। यह समय कठोर निर्णय लेने का है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ समय बिताना होगा। स्कूलों और कॉलेजों को केवल शिक्षा नहीं, संस्कार भी देने होंगे। समाज को केवल तमाशबीन बनने की बजाय जिम्मेदारी उठानी होगी। और प्रशासन को नशे के कारोबार पर ऐसी चोट करनी होगी कि इस जहर का व्यापार करने वालों में कानून का भय पैदा हो।

युवाओं को भी यह समझना होगा कि जीवन का सबसे बड़ा नशा सफलता है। अपने माता-पिता का सम्मान है। अपने सपनों को पूरा करना है। अपने देश के लिए कुछ कर गुजरना है। जो युवा अपने लक्ष्य के लिए जागता है, उसे किसी नशे की जरूरत नहीं पड़ती।

यदि आज भी हम नहीं चेते तो आने वाले वर्षों में हमें सड़कों पर भीड़ तो दिखाई देगी, लेकिन उनमें वह युवा शक्ति नहीं दिखाई देगी जो राष्ट्र का भविष्य बदल सके। इसलिए सवाल केवल नशे का नहीं है, सवाल भारत के भविष्य का है। और इस सवाल का जवाब आज ही देना होगा।

खबर संक्षेप

वंदे गंगा अभियान के तहत 31 मई को निकलेगी साइकिल रैली

सलूम्बर @ पदमावत मीडिया। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत 31 मई को जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। रैली का उद्देश्य आमजन को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। जिला खेल अधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि रैली प्रातः 7:30 बजे आरटीओ कार्यालय से प्रारंभ होकर लव कुश शिक्षण संस्थान पर संपन्न होगी। इसमें प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी, विद्यार्थी एवं खिलाड़ी भाग लेंगे। रैली में सबसे पहले पहुंचने वाले 100 प्रतिभागियों को जिला प्रशासन की ओर से टी-शर्ट प्रदान की जाएगी। समापन पर सभी प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। जिला प्रशासन ने युवाओं एवं आमजन से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

श्री गौपुत्र सेवा समिति ने पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

जयपुर @ पदमावत मीडिया। भीषण गर्मी को देखते हुए श्री गौपुत्र सेवा समिति द्वारा पक्षियों के लिए विभिन्न स्थानों पर परिंडे

लगाकर पानी की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य में दा श्री राम यूनिवर्सल स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजयलक्ष्मी कंवर के सानिध्य में विद्यार्थियों ने परिंडे लगाकर लोगों को पक्षियों एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया। समिति के संस्थापक सूर्यकांत व्यास ने कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर एवं आसपास पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने भी आमजन से पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने की अपील की। समिति पिछले कई वर्षों से बेजुबान जीवों की सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है।

ऋषभदेव थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सलूम्बर जिले का टॉप-10 इनामी वारंटी डिटेन

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिले की ऋषभदेव थाना पुलिस ने ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के तहत कार्रवाई करते हुए सलूम्बर जिले के चयनित टॉप-10 एवं 1000 रुपये के इनामी वारंटी को डिटेन करने में सफलता प्राप्त की है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल एवं वृत्ताधिकारी राजीव राहर के सुपरविजन में थानाधिकारी हेमन्त अहारी के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी अविनाश पुत्र बाबूलाल मीणा निवासी ओडवास थाना ऋषभदेव को डिटेन किया। पुलिस के अनुसार आरोपी थाना सेमारी के एक प्रकरण में वांछित था तथा उस पर 1000 रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी करीब दो वर्षों से फरार चल रहा था और बावलवाड़ा तथा सराड़ा थाना क्षेत्रों के प्रकरणों में भी वांछित था। कार्रवाई के बाद आरोपी को सेमारी पुलिस के सुपुर्द किया गया, जहां उसे विधिवत गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की गई।

पश्चिमी उपनगरों की प्रमुख परियोजनाओं का उपमहापौर ने किया निरीक्षण

मुंबई @ पदमावत मीडिया। उपमहापौर संजय घाड़ी ने पश्चिमी उपनगरों की विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर

संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मृणालताई गोरे फ्लाईओवर, ओशिवरा प्रसूति गृह एवं ओशिवरा श्मशान भूमि के कार्यों की समीक्षा निरीक्षण के दौरान बताया गया कि मृणालताई गोरे फ्लाईओवर विस्तार परियोजना का लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उपमहापौर ने शेष कार्य मानसून से पूर्व पूर्ण कर फ्लाईओवर को यातायात के लिए शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने ओशिवरा प्रसूति गृह के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया और इसे तय समय सीमा में पूरा करने को कहा। साथ ही ओशिवरा श्मशान भूमि के लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपमहापौर संजय घाड़ी ने कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण, जल संग्रहण, स्वच्छता का शुभ संदेश - वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 : शरद केवलिया

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में आयोजित हो रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 राजस्थान को जल-समृद्ध बनाने व पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए राज्य सरकार का एक अत्यंत प्रभावी अभियान है। यह अभियान 25 मई 2026 से 5 जून 2026 तक राज्य के समस्त जिलों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न राजकीय विभागों एवं संस्थाओं द्वारा अनेक गतिविधियां संपादित की जाएंगी। इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत दैनिक जीवन में जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संग्रहण एवं संरक्षण को प्रोत्साहन, पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन में सहयोग, भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल एवं पर्यावरण संरक्षण, हरियालो राजस्थान, स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया जाएगा।

शरद केवलिया
सचिव, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं की भागीदारी

इस पुनीत अभियान में जल संसाधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सूचना एवं जनसंपर्क, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, खेल, स्वायत्त शासन, राजीविका, कृषि एवं उद्यान, पशुपालन, गौपालन, देवस्थान, आरसीडीएफ, ऊर्जा, शिक्षा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सार्वजनिक निर्माण, भू-जल, वन, उद्योग, पर्यटन, नेहरू युवा केंद्र, पुलिस, सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों, जिला प्रशासन, भामाशाहों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्थानीय निवासियों एवं जनप्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी।

28 मई तक अभियान की प्रगति

अभियान में अब तक 1,59,08,712 नागरिक सहभागी बने, 11,890 कलश यात्राएं आयोजित हुईं, 17,440 जल स्रोतों की सफाई की गई, 1,426 नवीन विकास कार्य प्रारंभ हुए, 9,531 स्थानों पर श्रमदान किया गया, 7,089 राजकीय भवनों में सफाई हुई तथा 442 जल चौपाल सहित कुल 1,57,272 विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अब ये कार्यक्रम होंगे आयोजित

अभियान के तहत 29 मई को प्राचीन तालाब, जोहड़ आदि की साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य, ग्राम के सभी जल स्रोतों की मैपिंग, साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य, सोख्ता गड्ढों की साफ-सफाई, गांवों के मुख्य मार्गों, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, राजीविका के ग्राम संगठन एवं सीएलएफ कार्यालयों में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जाएगा।

30 मई को मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.1 एवं 2.2 अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.2 एवं 2.3 अंतर्गत नवीन कार्यों की स्वीकृति प्रारंभ करना, ओरण एवं चारागाहों का चिन्हीकरण, पौधारोपण एवं घास बुवाई कार्यों की अग्रिम तैयारी, बीज बैंकों में गतिविधियों का क्रियान्वयन, हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 अंतर्गत चयनित ग्रामों की ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जल चौपाल आयोजित होंगी।

31 मई को वंदे गंगा प्रभात फेरी एवं जागरूकता अभियान रैली का ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजन, वंदे गंगा रैली, साइकिल रैली, जिला प्रशासन की ओर से चिन्हित स्थानों पर श्रमदान, वंदे गंगा जल सेवा में सहयोग, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालना एवं साफ-सफाई हेतु श्रमदान, वंदे गंगा जल सेवा, पशु खेलियों एवं बावड़ियों की साफ-सफाई, पशुओं के लिए पीने के स्वच्छ पानी की व्यवस्था एवं पक्षियों के लिए परिंडे बांधने जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं मरम्मत, जल स्रोतों पर दीप प्रज्वलन, अमृत 2.0 अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा साफ-सफाई एवं रखरखाव कार्यक्रम, शहरी रोजगार योजना अंतर्गत पौधारोपण कार्य हेतु अग्रिम तैयारी, महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई, प्लास्टिक कचरे का चिन्हित स्थल पर निष्पादन, नो प्लास्टिक डे, अमृत 2.0 योजना अंतर्गत नवीन कायार्देश जारी करना एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण तथा वंदे गंगा प्रभात फेरी एवं जागरूकता अभियान रैली का नगर निकाय स्तर पर आयोजन होगा।

1 जून को स्प्रिंकलर, ड्रिप, फार्म पॉण्ड, पाइपलाइन की स्वीकृति जारी करना, प्राकृतिक, जैविक एवं प्रिसीजन खेती, सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर कार्यशाला एवं प्रदर्शनी, स्वीकृत कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण तथा नवीन कार्यों की स्वीकृतियां जारी करना, हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, कम्पोस्टिंग तकनीक का प्रचार-प्रसार, लघु सिंचाई संयंत्रों की प्रदर्शनी, प्रगतिशील कृषकों से चर्चा, किसान चौपाल, कृषि विज्ञान केंद्रों पर संगोष्ठी एवं कृषि शिक्षा कार्यशाला तथा डिग्गियों की साफ-सफाई जैसे कार्य किए जाएंगे।

2 जून को नदी, वृहद एवं मध्यम बांध, सरोवर, नहरों आदि पर पूजन, नहरों एवं खालों की जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के सहयोग से साफ-सफाई एवं गाद निकालना, जल उपयोगिता संगमों द्वारा कार्यक्रम, जल शक्ति अभियान ह्यकैच द रेनह्न अंतर्गत कार्यक्रम, जल संचय जन भागीदारी अंतर्गत कार्यक्रम, नए कार्यों का शिलान्यास एवं भूमि पूजन तथा पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण, पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई, आरटीडब्ल्यूएचएस निर्माण हेतु तकनीकी जानकारी, जल बचत हेतु जनजागृति कार्यक्रम, जल परीक्षण अभियान तथा कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण तथा नवीन कार्यों की स्वीकृति दी जाएगी।

3 जून को मीडिया राउंड टेबल, जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर अन्य जिला स्तरीय नवाचार एवं अभिनव कार्यक्रम तथा ट्रांसफॉर्मरों के आसपास साफ-सफाई करवाई जाएगी।

4 जून को मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.1 एवं 2.2 अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.2 एवं 2.3 अंतर्गत नवीन कार्यों की स्वीकृति एवं प्रारंभ, ओरण एवं चारागाहों का चिन्हीकरण, पौधारोपण एवं घास बुवाई कार्यों की अग्रिम तैयारी, बीज बैंकों में गतिविधियों का क्रियान्वयन, हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 अंतर्गत चयनित ग्रामों की ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जल चौपाल, राजकीय भवनों में स्थित आरटीडब्ल्यूएचएस की साफ-सफाई, रोड साइड पौधारोपण हेतु अग्रिम तैयारी, जल एवं पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता हेतु निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला, खेलकूद प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन होगा।

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर हरियालो राजस्थान हेतु पूर्व तैयारी कार्य प्रारंभ करना, वन क्षेत्र में विद्यमान जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालना, विभागीय योजना में निर्मित एवं पूर्ण जल संग्रहण संरचनाओं का अवलोकन एवं लोकार्पण, तुलसी के पौधों का वितरण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.1 एवं 2.2 अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.2 एवं 2.3 अंतर्गत नवीन कार्यों को स्वीकृत करना एवं प्रारंभ करना, मनरेगा एवं वीबीजी रामजी योजना अंतर्गत कार्यों को प्रारंभ करना, नर्सरियों का विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, जिला कलेक्टर एवं उपखंड अधिकारी द्वारा नर्सरियों का अवलोकन, नर्सरियों में पौधों की ग्रेडिंग, चयनित स्थानों पर इको फ्रेंडली आर्ट तैयार करना आदि कार्य होंगे।

जिले के नदी-नालों के अपशिष्ट पानी को परिष्कृत करने हेतु एसटीपी एवं सीईटीपी संयंत्रों की आवश्यकता एवं उपलब्धता का आकलन, जिले में स्थापित एसटीपी एवं सीईटीपी से प्राप्त परिष्कृत जल का आकलन एवं उसके उपयोग हेतु प्रस्ताव प्राप्त करना, नदियों, तालाबों एवं झीलों की सफाई हेतु जनजागृति अभियान, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने हेतु जनजागृति अभियान तथा प्लास्टिक का उपयोग कम करने हेतु शपथ कार्यक्रम आयोजित होगा।

अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के क्रियान्वयन में सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने वाले तथा जल संरक्षण एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भामाशाहों, संस्थाओं, पंचायतों, नगर निकायों, गैर सरकारी संस्थाओं, जल योद्धाओं, पथप्रदर्शकों एवं जल उपयोगिता संगमों को जल गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा। साथ ही सांस्कृतिक संध्या सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संग्रहण एवं संरक्षण को प्रोत्साहन, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण तथा स्वच्छता अभियान को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा।

जिले में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिले में पेट्रोल एवं डीजल की

निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर शुक्रवार को जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर की अध्यक्षता में संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं पेट्रोल पंप एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ जिले में ईंधन आपूर्ति एवं उपलब्धता की समीक्षा की गई। बैठक में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के विक्रय अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार यादव, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के विक्रय अधिकारी आशीष गुप्ता, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के विक्रय अधिकारी भारत भूषण, न्यारा एनर्जी के आईएसएम अभिषेक गुप्ता, रिलायंस के विक्रय अधिकारी केशव राज मेहता, पेट्रोल पंप एसोसिएशन उदयपुर के प्रतिनिधि राज राजेश्वर जैन, मनोज गोयल, राजेन्द्र जैन, विकास अग्रवाल तथा प्रवर्तन अधिकारी मानसी पंड्या उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में पेट्रोल एवं डीजल के मौजूदा स्टॉक और आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने सभी विक्रय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के समस्त पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता हर स्थिति में सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने पेट्रोल पंपों से किए जा रहे पेट्रोलियम उत्पादों के बल्क विक्रय पर भी चिंता व्यक्त करते हुए विक्रय अधिकारियों को इसकी गहन जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में संचालित कंज्यूमर पंपों द्वारा डीजल के क्रय-विक्रय से संबंधित सांख्यिकीय जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा।

केंद्रीय कारागृह एवं महिला जेल का साप्ताहिक निरीक्षण

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं एडीजे राहुल चौधरी ने शुक्रवार को केंद्रीय कारागृह एवं महिला जेल का साप्ताहिक निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं विधिक सहायता व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा निःशुल्क विधिक सहायता, अपील प्रक्रिया, चिकित्सा सुविधा, भोजन, मुलाकात व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

एडीजे राहुल चौधरी ने बंदियों को नाल्सा हेल्पलाइन 15100, लीगल एड क्लिनिक, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल योजना तथा अन्य विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी देते हुए अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बंदियों को आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया।

लोयाणागढ़ के शिखरों पर कर्तव्य की स्वर्णिम पदचाप

दुर्गम पहाड़ियों को पार कर तहसीलदार नीरजकुमारी ने स्वयं पूर्ण कराया जनगणना कार्य, बनीं प्रशासनिक समर्पण की मिसाल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। राजस्थान की गौरवशाली धरा अपने इतिहास, शौर्य, त्याग और सांस्कृतिक विरासत के लिए सदैव जानी जाती रही है। इसी गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है जसवंतपुरा का ऐतिहासिक लोयाणागढ़, जो अरावली की पर्वतमालाओं के बीच आज भी अपने स्वर्णिम अतीत की गाथा कहता नजर आता है। वर्तमान में देशभर में चल रहे जनगणना अभियान के बीच जसवंतपुरा के इस दुर्गम और ऐतिहासिक किले तक पहुंचकर भवन गणना एवं जनगणना कार्य संपन्न करना प्रशासन के लिए एक चुनौती बना हुआ था। किले तक पहुंचने का मार्ग अत्यंत कठिन, पथरीला और पहाड़ी है, जहां सामान्य रूप से पहुंचना भी आसान नहीं माना जाता। तहसील कार्यालय जसवंतपुरा के रीडर गणपतदान चारण ने जब तहसीलदार नीरजकुमारी को लोयाणागढ़ किले के ऐतिहासिक महत्व और उसकी विशेषताओं से अवगत कराया, तो उनके मन में इस ऐतिहासिक धरोहर को नजदीक से देखने और वहां जनगणना कार्य को स्वयं संपन्न कराने का संकल्प जागृत

हुआ। इस दौरान पूर्व विधायक नारायणसिंह, पूरणसिंह गजापुरा तथा मनोहरसिंह चांदूर ने सुझाव दिया कि इस ऐतिहासिक धरोहर पर जनगणना का राष्ट्रीय दायित्व स्वयं तहसीलदार के नेतृत्व में पूरा किया जाना चाहिए। इस सुझाव को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार नीरजकुमारी ने स्वयं दुर्गम मार्ग पर जाने का निर्णय लिया।

लगभग 10 से 12 किलोमीटर लंबे ऊबड़-खाबड़, पथरीले और कठिन पहाड़ी मार्ग को पार करते हुए तहसीलदार नीरजकुमारी अपनी टीम के साथ लोयाणागढ़ किले तक पहुंचीं। उनके साथ राजस्व विभाग, वन विभाग तथा जनगणना से जुड़ी टीम भी मौजूद रही।

किले के प्राचीन प्रांगण में पहुंचकर भवन गणना एवं जनगणना से संबंधित कार्यों को विधिवत संपन्न किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक धरोहर और वर्तमान प्रशासनिक दायित्व का एक अनूठा संगम देखने को मिला। वर्षों पुरानी विरासत के बीच राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूर्ण कर प्रशासन ने अपने दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

तहसीलदार नीरजकुमारी की यह पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की सराहना करते हुए इसे प्रशासनिक कार्य संस्कृति का प्रेरणादायक उदाहरण बताया है।

मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि लोयाणागढ़ की दुर्गम पहाड़ियों तक पहुंचकर जनगणना कार्य संपन्न करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन का उत्कृष्ट उदाहरण है।

तहसीलदार नीरजकुमारी का यह साहसिक एवं प्रेरणादायी कार्य आने वाले समय में जसवंतपुरा और लोयाणागढ़ के इतिहास में प्रशासनिक समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और ऐतिहासिक चेतना के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा।

मुंबई महानगर में 547 डिवाटरिंग पंपों पर आईओटी आधारित निगरानी व्यवस्था लागू

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। मुंबई महानगर के निचले इलाकों में भारी वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने 547 डिवाटरिंग पंपों पर आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) आधारित निगरानी प्रणाली लागू की है। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रत्येक पंप की कार्यप्रणाली, संचालन अवधि, स्थान, तकनीकी स्थिति और जल निकासी संबंधी जानकारी का रियल टाइम रिकॉर्ड रखा जाएगा। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेना और जल निकासी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना संभव होगा। महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिडे ने गुरुवार को आपदा प्रबंधन विभाग स्थित नियंत्रण कक्ष में विकसित डिवाटरिंग पंप मॉनिटरिंग सिस्टम डैशबोर्ड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे महानगर में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने के लिए तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। आईओटी प्रणाली के माध्यम से अब प्रत्येक डिवाटरिंग पंप की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा सकेगी।

पंपों की पूरी जानकारी होगी एक क्लिक पर उपलब्ध

अश्विनी भिडे ने बताया कि प्रत्येक डिवाटरिंग पंप पर विशेष आईओटी उपकरण लगाए गए हैं। इन उपकरणों के माध्यम से पंप की कार्य स्थिति, चालू और बंद होने का समय, कार्यरत अवधि, तकनीकी प्रदर्शन और भौगोलिक स्थिति की जानकारी स्वतः रिकॉर्ड होगी। यह संपूर्ण जानकारी केंद्रीकृत डैशबोर्ड पर वास्तविक समय में उपलब्ध रहेगी।

इससे संबंधित अधिकारी किसी भी समय यह देख सकेंगे कि कौन सा पंप कार्यरत है, कौन सा बंद है, कितनी देर से संचालित हो रहा है तथा किस क्षेत्र में अतिरिक्त निगरानी की आवश्यकता है। साथ ही तकनीकी खराबी की स्थिति में तुरंत कार्रवाई संभव होगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में मददगार होगी नई व्यवस्था

उन्होंने कहा कि आईओटी लॉगिंग प्रणाली से डिवाटरिंग पंपों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी। अब यह स्पष्ट रूप से दर्ज रहेगा कि किसी पंप ने कितने समय तक कार्य किया, कितनी अवधि तक जल निकासी की गई और उसका उपयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ या नहीं।

डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होने से कार्यों का मूल्यांकन अधिक सटीकता से किया जा सकेगा और मानवीय हस्तक्षेप भी कम होगा। इससे कार्यक्षमता और जवाबदेही दोनों में वृद्धि होगी।

547 डिवाटरिंग पंपों पर तीन शिफ्टों में तैनात रहेगा स्टाफ

मुंबई महानगर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए कुल 547 डिवाटरिंग पंप सक्रिय रखे गए हैं। इनमें शहर क्षेत्र में 146, पूर्वी उपनगरों में 178 तथा पश्चिमी उपनगरों में 223 पंप शामिल हैं।

इन पंपों के संचालन के लिए तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। प्रत्येक पंप स्थल पर नियुक्त ऑपरेटरों के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष में विशेष प्रतिनिधि भी नियुक्त किए गए हैं।

पंप ऑपरेटरों को स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके माध्यम से वे संबंधित स्थल की तस्वीरें और जानकारी तत्काल नियंत्रण कक्ष तक पहुंचा सकते हैं। साथ ही ऑपरेटरों के मोबाइल फोन की जियो-फेंसिंग की गई है, जिससे उनकी उपस्थिति और गतिविधियों की निगरानी की जा सकेगी।

जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष रूप से लगाए गए पंप

महानगरपालिका द्वारा डिवाटरिंग पंपों को विशेष रूप से जलभराव संभावित क्षेत्रों, रेलवे अंडरपास, प्रमुख मार्गों, चौराहों तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात किया गया है।

इन पंपों का मुख्य उद्देश्य वर्षा के दौरान जमा पानी को तेजी से निकालकर नालों, जल निकासी मार्गों अथवा समुद्र की ओर प्रवाहित करना है, ताकि यातायात और जनजीवन प्रभावित न हो।

मौसम पूवार्नुमान और ज्वार-भाटा की जानकारी के आधार पर होगा संचालन

अश्विनी भिडे ने बताया कि पर्जन्य जलवाहिनी विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग के बीच निरंतर समन्वय स्थापित किया गया है। मौसम विभाग से प्राप्त वर्षा पूवार्नुमान, ज्वार-भाटा की जानकारी, विभिन्न विभागों से प्राप्त शिकायतों और मैदानी परिस्थितियों के आधार पर संबंधित क्षेत्रों में पंपों को तत्काल सक्रिय करने के निर्देश दिए जाते हैं।

आपातकालीन परिस्थितियों में नियंत्रण कक्ष के माध्यम से अभियंताओं, कर्मचारियों और अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

खराबी आने से पहले ही मिल जाएगी सूचना

आईओटी प्रणाली का एक महत्वपूर्ण लाभ यह भी होगा कि यदि किसी पंप में तकनीकी खराबी आने की संभावना होगी या उसकी कार्यक्षमता में कमी दिखाई देगी तो तकनीकी दल को पहले ही सूचना प्राप्त हो जाएगी।

इससे समय रहते मरम्मत और रखरखाव का कार्य किया जा सकेगा तथा मानसून के दौरान पंपों को लगातार कार्यरत रखना संभव होगा।

सेंसर आधारित अलर्ट सिस्टम भी होगा सक्रिय

कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में लगाए गए सेंसरों और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से जलस्तर बढ़ने पर स्वतः अलर्ट प्राप्त होगा। इससे संबंधित अधिकारी तुरंत स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई कर सकेंगे।

डैशबोर्ड पर पंप की स्थिति, क्षमता, संचालन अवधि, संबंधित क्षेत्र का विवरण, ऑपरेटर का संपर्क नंबर और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी उपलब्ध रहेगी।

सभी प्रशासनिक विभागों को मिलेगा डैशबोर्ड एक्सेस

निरीक्षण के दौरान आयुक्त अश्विनी भिडे ने निर्देश दिए कि वर्तमान में मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष में उपलब्ध इस डैशबोर्ड को सभी प्रशासनिक विभागों के नियंत्रण कक्षों तक भी उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संबंधित अभियंताओं और अधिकारियों के संपर्क नंबर डैशबोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सके।

मानसून के दौरान नागरिकों को मिलेगी बड़ी राहत

महानगरपालिका का मानना है कि इस नई तकनीक के माध्यम से जल निकासी व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी, निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और जलभराव की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया संभव होगी। इससे भारी वर्षा के दौरान नागरिकों को होने वाली परेशानी में कमी आएगी तथा मुंबई की आपदा प्रबंधन क्षमता और अधिक मजबूत होगी।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (परियोजना) अभिजीत बांगर, उप आयुक्त प्रशांत गायकवाड, प्रमुख अधिकारी आपदा प्रबंधन रश्मी लोखंडे, कार्यकारी अभियंता वनिता कोकाटे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

डायल-112 की तत्परता से ट्रैक्टर हादसे में घायल व्यक्ति की बची जान

भोपाल @ पदमावत मीडिया। दमोह जिले के पथरिया थाना क्षेत्र में डायल-112 टीम की तत्परता से ट्रैक्टर हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। प्राप्त सूचना के अनुसार गढ़ाकोटा रोड पर एक व्यक्ति ट्रैक्टर से गिरकर उसके टायर के नीचे आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना मिलते ही डायल-112 वाहन एफआरवी-12 को मौके पर रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे आरक्षक राजेश सिंह एवं पायलट मन्नू सिंह लोधी ने घायल व्यक्ति को तत्काल सुरक्षित रूप से डायल-112 वाहन में बैठाकर पथरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। डायल-112 की त्वरित कार्रवाई से घायल को समय पर चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। मध्यप्रदेश पुलिस ने कहा कि डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए लगातार प्रतिबद्ध है।

महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ अपराधों पर मध्यप्रदेश पुलिस का सख्त प्रहार

भोपाल @ पदमावत मीडिया। महिलाओं, बालिकाओं एवं कमजोर वर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मध्यप्रदेश पुलिस ने राजगढ़ और आगर मालवा जिलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए बाल विवाह, दुष्कर्म एवं मानव तस्करी से जुड़े मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

राजगढ़ जिले में 12 वर्षीय बालिका के बाल विवाह एवं दुष्कर्म मामले का खुलासा करते हुए कोतवाली थाना पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में बालिका के साथ दैहिक शोषण एवं प्रताड़ना की पुष्टि हुई है। मामले में पॉक्सो एक्ट, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मुख्य आरोपी पवन उर्फ परमाल गुर्जर फरार है, जिस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। वहीं आगर मालवा जिले में बड़ौद थाना पुलिस ने मानव तस्करी एवं जबरन विवाह की साजिश को विफल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर युवती को सुरक्षित मुक्त कराया। युवती को नौकरी का झांसा देकर राजस्थान में बेचने और जबरन विवाह कराने की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी ईश्वर सिंह बागरी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया। मध्यप्रदेश पुलिस ने कहा है कि महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों पर सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

सूरत से रेस्क्यू किए गए 70 बाल श्रमिक जुड़ेंगे मुख्यधारा से

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। मानव तस्करी विरोधी यूनिट उदयपुर द्वारा सूरत से रेस्क्यू किए गए 70 बाल श्रमिकों को

मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने किशोर सुधार गृह पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की और काउंसलिंग के बाद उन्हें परिजनों को सुपुर्द किया। एसपी ने बताया कि सभी बच्चे 14 वर्ष से कम आयु के हैं, जिन्हें बाल श्रम के लिए सूरत ले जाया गया था। विशेष कार्रवाई के तहत बच्चों को मुक्त कर उदयपुर लाया गया। मामले में संबंधित नियोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस, बाल अधिकारिता विभाग और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बच्चों को शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी ने कहा कि बाल श्रम और मानव तस्करी में शामिल एजेंटों एवं नियोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

झालावाड़ जिले में म्यूल हंटर अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई: साइबर फ्रॉड में संलिप्त म्यूल खाता धारक गिरफ्तार, 62 शिकायतें दर्ज

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

झालावाड़। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे म्यूल हंटर अभियान के तहत झालरापाटन थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड में संलिप्त एक म्यूल खाता धारक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के बैंक खाते के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों से कुल 62 शिकायतें दर्ज होना सामने आया है।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि साइबर अपराधों में प्रयुक्त बैंक खातों एवं खाता धारकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस थाना झालरापाटन में विशेष टीम का गठन कर कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 26 मई 2026 को साइबर थाना में कार्यरत सहायक उप निरीक्षक कैलाशचन्द को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि मेसर्स आईजल एंटरप्राइजेज के नाम से संचालित बैंक खाते का प्रोपराइटर आमिर खान निवासी मंगलपुरा, झालावाड़ अपने बैंक खाते का उपयोग म्यूल अकाउंट के रूप में कर साइबर धोखाधड़ी की गतिविधियों में संलिप्त है। तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि आरोपी के यस बैंक खाते का उपयोग साइबर फ्रॉड में किया गया है।

जांच के दौरान पता चला कि उक्त बैंक खाते के खिलाफ अलग-अलग राज्यों से कुल 62 शिकायतें दर्ज हैं। इस पर आमिर खान के विरुद्ध धारा 318(4), 316(2) बीएनएस 2023 एवं धारा 66-डी आईटी एक्ट के तहत साइबर थाना झालावाड़ में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द मीणा के निर्देशन एवं पुलिस उप अधीक्षक हर्षराज सिंह खरेड़ा के सुपरविजन में थानाधिकारी हंसराज मीणा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण एवं प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए साइबर अपराध में संलिप्त म्यूल खाता धारक आमिर खान उर्फ शेरू को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी आमिर खान उर्फ शेरू पुत्र अय्यूब खान उम्र 33 वर्ष निवासी रामद्वारा गली, मंगलपुरा, थाना कोतवाली झालावाड़, जिला झालावाड़ है। आरोपी से मामले में विस्तृत पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है।

इस कार्रवाई में थानाधिकारी हंसराज मीणा, सहायक उप निरीक्षक कैलाशचन्द, थानाधिकारी मुकेश कुमार तथा हैड कांस्टेबल किशोर कुमार एवं कांस्टेबल मुकेश कुमार, दीपक और विजय सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई : होमबायर्स धोखाधड़ी मामले में बिल्डर कंपनी और निदेशकों के खिलाफ 10वीं चार्जशीट

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

नई दिल्ली। घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी के मामलों की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एम/एस शुभकामना बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट ग्रेटर नोएडा स्थित एक हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामले में पेश की गई है। सीबीआई की जांच में सामने आया कि आरोपी बिल्डर कंपनी और उसके निदेशकों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत घर खरीदारों एवं निवेशकों को झूठे आश्वासन, भ्रामक जानकारी और आकर्षक वादों के माध्यम से निवेश के लिए

प्रेरित किया। आरोप है कि इन वादों के आधार पर निवेशकों से धन प्राप्त कर आर्थिक लाभ अर्जित किया गया, जबकि पीड़ितों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। जांच के दौरान एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर सीबीआई ने सक्षम न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात से संबंधित धाराओं के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की है। सीबीआई वर्तमान में देशभर में विभिन्न बिल्डर कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज 50 मामलों की जांच कर रही है।

भूपाल नोबल्स और अनंता मेडिकल कॉलेज के शोधकताओं को बड़ी सफलता

न्यूरो मेडसेफ-एन को भारत सरकार से मिला कॉपीराइट प्रमाणपत्र

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। चिकित्सा सुरक्षा और फामार्कोविजिलांस के क्षेत्र में उदयपुर के शोधकताओं को बड़ी सफलता मिली है। भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फामेर्सी एवं अनंता मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से विकसित न्यूरो मेडसेफ-एन (न्यूरोलॉजी मेडिकेशन सेफ्टी रिस्क असेसमेंट टूल) को भारत सरकार के कॉपीराइट कार्यालय द्वारा आधिकारिक कॉपीराइट प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह अभिनव उपकरण विशेष रूप से न्यूरोलॉजी रोगियों को दी जाने वाली दवाओं से उत्पन्न संभावित प्रतिकूल प्रभावों (एडवर्स ड्रग रिएक्शन्स) एवं जोखिमों का वैज्ञानिक और प्रमाण आधारित आकलन करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसमें एविडेंस-बेस्ड स्कोरिंग सिस्टम, वैलिडेशन डेटा और क्लिनिकल डॉक्यूमेंटेशन को आधार बनाया गया है, जिससे अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में दवा सुरक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस शोध परियोजना में भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फामेर्सी के डॉ. ऋषि माहेश्वरी एवं डॉ. भक्तराज सिंह चौहान तथा अनंता मेडिकल कॉलेज के डॉ. मुकेश गर्ग ने प्रमुख शोधकर्ता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं परियोजना में अनमोल पटेल, गौरी दोशी, आरती शर्मा, आस्था जैन,

कौशिक तंबोली एवं अनिल सुरेश मिस्त्री ने भी सक्रिय योगदान दिया।

भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्राचार्य डॉ. पुष्पेंद्र सिंह नरुका ने इस उपलब्धि पर शोधकताओं एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल संस्थान बल्कि उदयपुर जिले के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि न्यूरो मेडसेफ-एन के माध्यम से विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में दवा सुरक्षा नीतियों को मजबूती मिलेगी तथा रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर दवा सुरक्षा, फामार्कोविजिलांस तथा चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी और शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देगी।

इस उपलब्धि पर यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. सी.एस. चौहान, डीन फामेर्सी डॉ. वाई.एस. सारंगदेवोत तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. कमल सिंह राठौड़ ने भी शोधकताओं और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विशेष निरोधात्मक अभियान में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

प्रदेशभर में 5 .33 लाख लीटर वॉश नष्ट, 1972 प्रकरण दर्ज, 900 गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेशभर में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत व्यापक कार्रवाई की जा रही है। एक मई से 28 मई 2026 तक कुल 1972 प्रकरण दर्ज कर 900 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अभियान के दौरान 7,044 लीटर देशी शराब, 38,943 लीटर अंग्रेजी शराब, 19,743 लीटर बीयर, 13,025 लीटर हथकड़ शराब तथा 30 लीटर स्प्रिट जब्त की गई। साथ ही 5 लाख 33 हजार 614 लीटर वॉश नष्ट किया गया। कार्रवाई के दौरान 85 वाहन भी जब्त किए गए। आबकारी निरोधक दलों ने विभिन्न जिलों में दबिश देकर अवैध शराब निर्माण इकाइयों को ध्वस्त किया। पाली में अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जबकि

झालावाड़ में 8 हजार लीटर वॉश एवं दौसा-बांदीकुई क्षेत्र में 4 हजार लीटर वॉश के साथ कई भट्टियां नष्ट की गईं। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रदेशभर में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अभियान लगातार जारी रहेगा।

रात्रि चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, जिला कलेक्टर ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने शुक्रवार को ऋषभदेव पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भूधर में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चौपाल में ग्रामीणों ने पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं जिला कलेक्टर के समक्ष रखीं। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी परिवेदनाओं का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासन गांवों तक पहुंचकर आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, स्वच्छता एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

खबर संक्षेप

वंदे गंगा अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में चला स्वच्छता व जल संरक्षण अभियान

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शुक्रवार

को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता एवं जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग तथा राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में हुए अभियान में ग्रामीणों, महिला समूहों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा के निर्देशन में तालाबों, बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की सफाई कर प्लास्टिक व कचरा हटाया गया। साथ ही सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान श्रमदान, सोक पिट निर्माण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और जल संरक्षण को लेकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। अधिकारियों ने कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छ एवं जल-संरक्षित गांवों का निर्माण संभव है।

नगर निगम की कार्रवाई, 44,500 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नगर निगम

जयपुर की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए 44 हजार 500 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला तथा 14 केंटर सामान जब्त किया। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में रामगंज बाजार, घाटगेट, चांदपोल बाजार, सिंधी कैंप, लालकोठी सब्जी मंडी, प्रताप नगर, कालवाड़ रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। कार्रवाई के दौरान जब्त सामान को निगम गोदाम भिजवाया गया। सतर्कता शाखा ने अतिक्रमणकताओं को भविष्य में सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी देते हुए कहा कि पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर भारी जुमार्ना एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेड़ता रोड-रतनगढ़ रेल सेवा होगी नियमित

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने भारतीय रेलवे द्वारा मेड़ता रोड- रतनगढ़-मेड़ता रोड रेल सेवा को नियमित रूप से

संचालित करने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इसे क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही जनभावनाओं की पूर्ति बताया। सांसद ने बताया कि 1 जून 2026 से ट्रेन संख्या 74827/74828 मेड़ता रोडझ्ररतनगढ़झ्रमेड़ता रोड डेमू रेल सेवा प्रतिदिन नियमित रूप से संचालित होगी। इससे नागौर, मेड़ता, डीडवाना, लाडनूं, सुजानगढ़ और रतनगढ़ क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस रेल सेवा से विद्यार्थियों, व्यापारियों, किसानों और नौकरीपेशा लोगों को आवागमन में विशेष सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास को भी गति प्राप्त होगी। साथ ही ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की रेल कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी। महिमा कुमारी मेवाड़ ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और भारतीय रेलवे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेहतर रेल सुविधाओं से व्यापार, शिक्षा, रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

जनजाति गौरव सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जनजाति प्रतिभाएं समाज की धरोहर, इनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता : बाबूलाल खराड़ी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार तथा जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित जनजाति गरिमा उत्सव की श्रृंखला में शुक्रवार को माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) में जनजाति गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए बाबूलाल खराड़ी ने जनजाति प्रतिभाओं को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज की प्रतिभाएं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज और राष्ट्र का नाम रोशन कर रही हैं। इनके संघर्ष, उपलब्धियां और समर्पण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने प्रतापगढ़ के संतोष कुमार मीणा द्वारा पॉली हाउस में संरक्षित खेती, फूल एवं मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए जनजाति युवाओं को रोजगार के लिए केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रहने बल्कि आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के संस्कार और जीवन मूल्य पूरे समाज के लिए अनुकरणीय हैं तथा सभी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़े रहना चाहिए।

समारोह में लेक्रोस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता महिला टीम की कप्तान सुनीता मीणा एवं पुरुष टीम सदस्य मोहनलाल गमेती को सम्मानित किया गया। कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचार के लिए सिरोही के गैनाराम, प्रतापगढ़ के संतोष कुमार मीणा एवं शांतिबाई, उद्यमिता क्षेत्र में प्रतापगढ़ की ममता मीणा, आजीविका क्षेत्र में सिरोही के सोमाराम एवं उदयपुर के सुरेन्द्र मीणा को सम्मान प्रदान किया गया।

जनजाति समाज को कुरीतियों एवं परंपरागत रूढ़ियों से मुक्त कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए उदयपुर के डॉ. देवीलाल, बांसवाड़ा के रूपजी बारिया, सिरोही के थावराराम गरासिया एवं डूंगरपुर के मणिलाल देवतरा को सम्मानित किया गया। रक्तदान के लिए युवाओं को प्रेरित करने के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने पर उदयपुर के भुरीलाल खराड़ी का भी सम्मान किया गया।

शिक्षा क्षेत्र में राजस्थान तहसीलदार सेवा में चयनित भेराराम, कक्षा 12 कला वर्ग में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले गणेश कटारा तथा विज्ञान वर्ग में 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले जितेन्द्र निनामा को भी उपरना ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के छात्रावास निर्माण हेतु भूमि दान करने वाले भामाशाह ओमप्रकाश भील को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए टीएडी आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री ने जनजाति प्रतिभाओं को मुख्यधारा से जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने विभाग द्वारा जनजाति समुदाय के कल्याण एवं विकास के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी।

टीआरआई निदेशक ओ.पी. जैन ने जनजाति गरिमा उत्सव माह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनजाति गौरव सम्मान समारोह प्रतिभाओं की उपलब्धियों को समाज के सामने लाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने टीआरआई की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों से उनका लाभ लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन हर्षवदन सिंह सोलंकी ने किया, जबकि सांख्यिकी निदेशक सुधीर दवे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में अतिरिक्त आयुक्त टीएडी अनिल कुमार शर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर टीएडी आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री का हुआ अभिनंदन

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री की सेवानिवृत्ति के अवसर पर समारोह में उनका अभिनंदन भी किया गया। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया। उन्होंने लक्ष्मी नारायण मंत्री की कार्यशैली को सकारात्मक, जनहितैषी एवं परिणामोन्मुख बताते हुए उनके योगदान की सराहना की।

टीआरआई निदेशक ओ.पी. जैन ने उन्हें प्रशासनिक कौशल, सकारात्मक सोच एवं जनसेवा के प्रति समर्पित लोकसेवक बताते हुए उनके कार्यकाल को प्रेरणादायक बताया। अतिरिक्त आयुक्त टीएडी अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि लक्ष्मी नारायण मंत्री का कार्यकाल विभाग के लिए उपलब्धियों से भरा रहा और उनके नेतृत्व में विभाग ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया।

सुधीर दवे ने भी उनके प्रशासनिक अनुभव एवं कार्य व्यवहार को प्रेरणादायक बताते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उनका सम्मान किया। इसके अलावा देवस्थान विभाग की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, टीआरआई निदेशक ओ.पी. जैन, सहायक आयुक्त के.के. खंडेलवाल, जतिन गांधी, दीपिका मेघवाल, उपविधि परामर्शी सीमा माहेश्वरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ड्रग तस्करी में लिप्त महिला PIT-NDPS के तहत एक वर्ष के लिए निरुद्ध

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

मुंबई। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात महिला ड्रग तस्कर नाजिया रबीउल इस्लाम उर्फ शोभा मंडल (33) को पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम, 1988 के तहत एक वर्ष के लिए निरुद्ध कर नासिक रोड केंद्रीय कारागार भेज दिया है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई गंभीर प्रकरण दर्ज हैं और जांच में सामने आया कि वह जमानत पर रिहा होने के बाद भी लगातार नशीले पदार्थों की तस्करी में सक्रिय थी।

चार एनडीपीएस मामलों में आरोपी, लगातार करती रही अपराध

एंटी नारकोटिक्स सेल की बांद्रा यूनिट द्वारा दर्ज अपराध क्रमांक 97/2025 की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि नाजिया रबीउल इस्लाम उर्फ शोभा मंडल निवासी सिंहगढ़ हाउसिंग सोसायटी, तिलक नगर, अंधेरी-कुर्ला रोड, साकीनाका, मुंबई के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुल चार मामले दर्ज हैं। इनमें बांद्रा यूनिट के अपराध क्रमांक 97/2025 एवं 20/2024, कांदिवली यूनिट के अपराध क्रमांक 50/2025 तथा डी.बी. मार्ग पुलिस थाना के अपराध क्रमांक 28/2023 शामिल हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के विरुद्ध दर्ज मामलों में आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं और प्रकरण विचाराधीन हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जमानत पर रिहा होते ही पुनः नशीले

पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त हो जाती थी। आरोपी की गतिविधियों को देखते हुए उसे समाज और युवाओं के लिए गंभीर खतरा माना गया।

महाराष्ट्र शासन की मंजूरी के बाद हुई कार्रवाई

आरोपी की आपराधिक गतिविधियों और बार-बार अपराध करने की प्रवृत्ति को देखते हुए मुंबई पुलिस आयुक्तालय की ओर से पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम, 1988 के तहत निरुद्ध किए जाने का प्रस्ताव महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग को भेजा गया था। प्रस्ताव में आरोपी के आपराधिक इतिहास, दर्ज मामलों और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तृत उल्लेख किया गया था।

गृह विभाग द्वारा प्रस्ताव का परीक्षण करने के बाद निरुद्धीकरण आदेश को मंजूरी प्रदान की गई। आदेश प्राप्त होने के बाद एंटी नारकोटिक्स सेल ने आरोपी को हिरासत में लेकर 28 मई 2026 को विधिवत कार्रवाई करते हुए एक वर्ष के लिए नासिक रोड केंद्रीय कारागार, नासिक भेज दिया।

वर्ष 2026 की नौवीं निरुद्धीकरण कार्रवाई

एंटी नारकोटिक्स सेल के अनुसार पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत वर्ष 2026 में यह नौवीं निरुद्धीकरण कार्रवाई है। इससे पहले भी जमानत पर छूटने के बाद लगातार अपराध करने वाले आठ आरोपियों को इसी कानून के तहत निरुद्ध किया जा चुका है। पुलिस का मानना है कि इस प्रकार की कार्रवाई से संगठित ड्रग तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और युवाओं को नशे के जाल से बचाया जा सकेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मिली सफलता

यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवन भारती, पुलिस सह आयुक्त (अपराध) अनिल कुंभारे तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) कृष्णकांत उपाध्याय के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्रवाई में पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवले, सहायक पुलिस आयुक्त सुधीर हिरडेकर, बांद्रा यूनिट के प्रभारी पुलिस निरीक्षक विशाल चंदनशिवे, पुलिस निरीक्षक विजय गोले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुवर्णा अडसूले, पुलिस निरीक्षक सरिता गावड़े, सहायक पुलिस निरीक्षक रविंद्र पाटील, पुलिस उपनिरीक्षक संदीप शिंदे तथा पुलिस उपनिरीक्षक सतीश निंबालकर सहित एंटी नारकोटिक्स सेल और अपराध शाखा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुंबई पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

एपीके फाइल से साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश

पन्ना पुलिस ने नोएडा से आरोपी को किया गिरफ्तार, 90 हजार रुपये नगद व मोबाइल जब्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। पन्ना पुलिस ने एपीके (अढङ) फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 90 हजार रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। फरियादी गोपाल बंसकार ने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके खाते से नवी यूपीआई एप के माध्यम से 1 लाख 90 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने एपीके फाइल इंस्टॉल कर मोबाइल का अनाधिकृत एक्सेस प्राप्त किया और बैंकिंग व यूपीआई संबंधी जानकारी हासिल कर दो बार में 1.90 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी जांच एवं डिजिटल ट्रेल के आधार पर आरोपी को नोएडा से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। मध्यप्रदेश पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई एपीके फाइल, लिंक या एप डाउनलोड न करें तथा ओटीपी, यूपीआई पिन एवं बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

---

50 दिवसीय योग काउंटडाउन के तहत 31 मई को सुखाड़िया समाधि पर होगा सामूहिक योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों के अंतर्गत जिले में चल रहे 50 दिवसीय योग काउंटडाउन कार्यक्रम के तहत 31 मई रविवार को प्रातःकाल सुखाड़िया समाधि परिसर में सामूहिक योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, योग संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा आमजन की व्यापक सहभागिता रहेगी।

सहायक निदेशक भानु कुमार जैन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 को सफल बनाने के उद्देश्य से जिलेभर में योग जागरूकता एवं योगाभ्यास गतिविधियों का व्यापक आयोजन किया जा रहा है। 50 दिवसीय योग काउंटडाउन के तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक नियमित रूप से योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया जा रहा है, जिससे अधिकाधिक लोगों को योग के प्रति जागरूक किया जा सके और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय, सिंधी बाजार, उदयपुर में भी प्रतिदिन प्रातः योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। उन्होंने जिलेवासियों से 31 मई को आयोजित सामूहिक योग पूर्वाभ्यास में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

योग समन्वयक एवं सहायक नोडल अधिकारी वैद्य डॉ. शोभालाल औदीच्य ने बताया कि योग को जन-जन तक पहुंचाने और इसे दैनिक जीवन में शामिल करने के उद्देश्य से जिलेभर में निरंतर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और आत्मिक शांति प्राप्त करने का भी प्रभावी साधन है।

उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को तनावमुक्त, ऊजार्वान और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर व्यक्ति स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं योग निद्रा का अभ्यास कराया जाएगा। प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को योगासनों की सही विधि, सावधानियों तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जाएगी।

इस आयोजन में योग एवं प्राकृतिक महाविद्यालय उदयपुर, पतंजलि योग समिति उदयपुर, क्रीड़ा भारती उदयपुर, पाहेर विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन, स्वास्थ्य सेतु, विश्व फाउंडेशन, सुकृपा फाउंडेशन, प्रणव आयुर्वेद योग सेंटर, ओसवाल सभा, ओसवाल युवक परिषद एवं आरोग्य विहार धाम सहित अनेक संस्थाओं का सक्रिय सहयोग रहेगा।

योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास में योगी सुरेश पालीवाल, डॉ. विक्रम खराड़ी, योगी अशोक जैन, मुकेश पाठक, रोहित चोबीसा, हेमंत कुमावत, अनुराग कुमावत, श्याम चोबीसा, पूनम कुमावत सहित कई अनुभवी योग प्रशिक्षक एवं स्वयंसेवक अपनी सेवाएं देंगे।

आयोजन समिति ने सभी नागरिकों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर सामूहिक योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास में भाग लेने तथा 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉंगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।

खबर संक्षेप

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की तत्परता से रुका बाल विवाह

डूंगरपुर @ पदमावत मीडिया। कुआ थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत डूंगर सारण में बाल विवाह की सूचना मिलने पर चाइल्ड

हेल्पलाइन 1098, प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान बालक के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया, जिसमें उसकी उम्र 20 वर्ष 2 माह पाई गई। इसके बावजूद टीम ने विवाह प्रक्रिया रुकवाकर परिजनों को भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने के लिए पाबंद किया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भावेश जैन ने बालक को शिक्षा से जोड़ने की जानकारी दी। कार्रवाई में तहसील प्रशासन, कुआ थाना पुलिस एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की टीम मौजूद रही।

अच्छा काम करने वाले कार्मिकों को करें प्रोत्साहित

जयपुर @ पदमावत मीडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन पर आमजन से फोन पर सीधे बात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खैराबाद (कोटा) के परिवादी प्रिंस को फोन पर आत्मीयता के साथ कहा - ह्यमैं भजनलाल शर्मा बोल रहा हूं, आप अपनी समस्या बताइए।ह्व यह सुनकर परिवादी चौंके और मुख्यमंत्री के समक्ष बिजली आपूर्ति के संबंध में अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री ने परिवादी को समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए अधिकारियों को तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए।इसी तरह रामगढ़ पचवारा (दौसा) के पुनीराम ने फोन पर मुख्यमंत्री को भूखण्ड पट्टे से संबंधित अपनी समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने पुनीराम को आत्मीयता से कहा - ह्यमैं आपके गांव में भी आया हूं। आपकी समस्या के समाधान के लिए मैंने निर्देश दे दिये हैं।ह्व इस पर परिवादी ने प्रसन्नता व्यक्त की।वहीं, अरांई (अजमेर) से हेमराज ने मुख्यमंत्री से अपने क्षेत्र में पानी की आपूर्ति संबंधी समस्या साझा की। इस पर मुख्यमंत्री ने परिवादी से विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संपर्क हेल्पलाइन जनता की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है। इस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करते हुए राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को हेल्पलाइन विजिट करने के निर्देश दिए हैं, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है और आमजन को राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान हेल्पलाइन सेंटर की कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण, फॉलो-अप एवं मॉनिटरिंग व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हेल्पलाइन के कार्मिकों से भी समय-समय पर फीडबैक लिया जाए एवं अच्छा काम करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय शिकायतों के निस्तारण में नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करने तथा प्रत्येक परिवादी को समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जयपुर डिस्कॉम का फैसला, प्रतिमाह बैठक करनी होगी

जयपुर @ पदमावत मीडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में जयपुर डिस्कॉम ने एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है। इसके अन्तर्गत अब सभी ओएंडएम सर्किल में अधीक्षण अभियंताओं को क्षेत्र की औद्योगिक एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों के साथ प्रतिमाह बैठक करनी होगी। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य बिजली कनेक्शनों की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना, इसमें किसी भी प्रकार की देरी को खत्म करना तथा औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

इन बैठकों में औद्योगिक कनेक्शन के लिए आए नए आवेदनों की समीक्षा की जाएगी कि वे किस स्तर पर प्रक्रियाधीन हैं। यदि कोई आवेदन लंबे समय से अटका हुआ है तो उसके तकनीकी या प्रशासनिक कारणों की समीक्षा कर उचित समाधान निकाला जाएगा। इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली की ट्रिपिंग, कम वोल्टेज या अन्य तकनीकी समस्याओं को लेकर उद्यमियों से सीधा फीडबैक लिया जाएगा ताकि सप्लाई में सुधार किया जा सके।

लंबित राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करें, मानसून पूर्व तैयारियों में न रहे कोई कमी : जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू

नालों की सफाई मिशन मोड पर पूरी करने, बिजली-पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के दिए निर्देश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भीलवाड़ा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निस्तारण, सार्वजनिक सेवाओं की व्यवस्था तथा मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों की सफाई, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था, मौसमी बीमारियों की रोकथाम तथा राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए मिशन मोड पर कार्य किया जाए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी गंभीरता के साथ लंबित राजस्व प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों का प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों, रेवेन्यू परिवादों, नामांतरण, भूमि रूपांतरण तथा अन्य प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में भू-आवंटन, भू-रूपांतरण, नामांतरण तथा अन्य राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई। साथ ही गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना की स्थिति की भी जानकारी ली गई। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन विभाग को दिए गए लक्ष्यों के अनुरूप

प्रगति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय तथा विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों पर समयबद्ध कार्रवाई की जाए तथा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में भी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर दिए सख्त निर्देश

जिला कलेक्टर ने नगर निकाय एवं यूआईटी क्षेत्र में सभी नालों और नालियों की समय पर सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बरसाती पानी की निकासी में किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद नालों को पुनः सुरक्षित ढंग से ढंकने, खुले चैंबर बंद करने तथा गड्ढों को भरवाने के निर्देश दिए ताकि दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके। उन्होंने जलभराव संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी रखने के निर्देश दिए।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम पर विशेष जोर

जिला कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों में एंटी लार्वा गतिविधियां कराई जाएं तथा अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इंटीग्रेटेड वार्ड तैयार रखने और स्वास्थ्य कार्मिकों को अलर्ट मोड पर रखने के भी निर्देश दिए।

बिजली और पेयजल व्यवस्था रहे सुचारू

विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर ने मानसून को देखते हुए बिजली लाइनों के रखरखाव, ढीले तारों को कसने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सभी कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए ताकि बारिश के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित न हो।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा पेयजल सप्लाई से जुड़े फीडरों की विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

संपर्क पोर्टल एवं ई-फाइलों के त्वरित निस्तारण पर जोर

जिला कलेक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के कार्यालयों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-फाइलों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा औसत निस्तारण अवधि कम की जाए। संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरण, भू-अभिलेख, सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, फसल कटाई प्रयोग, ऑनलाइन भूमि सम्परिवर्तन, पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल में दर्ज मामलों, राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए भूमि अवाप्ति, राजकीय कार्यालयों एवं संस्थाओं को भूमि आवंटन, राजस्व वसूली, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, ई-फाइल प्रगति तथा पंजीयन विभाग से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) प्रतिभा सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुख्यालय में 4 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से मई माह में सेवानिवृत्त हुए चार कर्मचारियों को शुक्रवार को आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी मकवाणा ने कहा कि पुलिस विभाग में सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और समर्पण का कार्य है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अनुभवी अधिकारियों की कार्यशैली, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

समारोह में मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक सुनीता सिंह कुशवाह, मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक मोहनलाल मेहरा, कार्यवाहक आंकिक/सूबेदार मुकेश मिश्रा तथा कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक दिनेश कुमार सक्सेना को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए. साई मनोहर, उप पुलिस महानिरीक्षक किरणलता केरकट्टा सहित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं परिजन उपस्थित रहे। सहायक पुलिस महानिरीक्षक इरमीन शाह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल की जानकारी प्रस्तुत की तथा अधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना की।

वंदे गंगा अभियान के तहत जिला कलेक्टर ने किया श्रमदान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूम्बर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शुक्रवार को जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी.पी. के नेतृत्व में वैद्यनाथ महादेव मंदिर के सामने स्थित प्राचीन बावड़ी एवं वेस्मा फीडर पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं शहरवासियों ने भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश दिया। जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला ने स्वयं श्रमदान कर बावड़ी से मिट्टी निकालने का कार्य किया। इस दौरान जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। जिला कलेक्टर ने कहा कि अभियान के तहत जिलेभर में कुएं, बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य पारंपरिक जल स्त्रोतों की सफाई और पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने तथा जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सरणी नदी एवं अन्य जल स्त्रोतों पर भी सफाई अभियान चलाया गया। उपस्थित लोगों ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

बेणेश्वर धाम पर चला स्वच्छता अभियान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डूंगरपुर । वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शुक्रवार को बेणेश्वर धाम पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों ने श्रमदान कर घाटों, मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। अभियान में ब्लॉक विकास अधिकारी वालसिंह राणा, ग्राम विकास अधिकारी मधुसूदन पारेख, स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी चयन सिंह राव सहित अन्य कार्मिकों ने भाग लिया। इस दौरान आमजन को स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। अभियान के अंत में सभी ने स्वच्छता बनाए रखने और जल संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

राजसमंद जिले में खमनोर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: लाला इलेवन गैंग का फाइनल क्रैकडाउन, तीन सदस्य हथियारों सहित गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

राजसमंद। जिले की खमनोर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर गैंग बनाकर अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने वाले लाला इलेवन गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक राजसमंद हेमंत कलाल द्वारा सोशल मीडिया पर गैंग बनाकर हथियारों का प्रदर्शन करने वाले, अवैध हथियार रखने वाले तथा गैंगों का महिमामंडन करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र पारीक एवं वृत्ताधिकारी नाथद्वारा शिप्रा राजावत के सुपरविजन में थानाधिकारी नरेन्द्रसिंह भाटी के नेतृत्व में

कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार हाल ही में थाना क्षेत्र में युवाओं द्वारा सोशल मीडिया पर गैंग बनाकर हथियारों का प्रदर्शन करने तथा आपसी वर्चस्व को लेकर गतिविधियां बढ़ने की सूचना मिली थी। इस पर थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मुखबिर तंत्र के माध्यम से निगरानी शुरू की गई। जांच के दौरान लाला इलेवन गैंग के सक्रिय सदस्यों की पहचान कर उन पर लगातार नजर रखी गई।

28 मई 2026 को नाकाबंदी के दौरान हरिदासजी का गुड़ा, झालों की मदार चौकी के पास मोटरसाइकिल संख्या आरजे-30-एससी-8997 पर सवार तीन युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से दो अवैध देशी पिस्टल एवं चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया तथा मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपियों में कैलाशसिंह उर्फ खुशी पुत्र नाथूसिंह दसाना राजपूत उम्र 25 वर्ष निवासी सरवड़ियों की भागल, झालों की मदार थाना खमनोर, हेमेन्द्रसिंह उर्फ सूर्या उर्फ सुरेश पुत्र प्रेमसिंह राजपूत उम्र 31 वर्ष निवासी गांगवा की भागल, मौखाड़ा थाना खमनोर तथा मोहनसिंह पुत्र देवीसिंह परमार राजपूत उम्र 20 वर्ष निवासी मौखाड़ा थाना खमनोर जिला राजसमंद शामिल हैं।

पुलिस परिवारों के सम्मान में आयोजित हुआ जादूगर आंचल का भव्य कार्यक्रम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में पुलिस परिवारों के सम्मान एवं उनके निरंतर सहयोग, त्याग और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से गुरुवार को सूचना केंद्र उदयपुर में प्रसिद्ध जादूगर आंचल का विशेष मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय/ग्रामीण) अंजना सुखवाल, संचित निरीक्षक गुलाब सिंह कटारा तथा हाथीपोल थानाधिकारी राजू देवी के नेतृत्व में किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस कार्मिकों के परिवारों द्वारा दिन-रात दिए जाने वाले सहयोग और त्याग को सम्मान देना तथा उन्हें एक सुखद और यादगार संध्या प्रदान करना था।

कार्यक्रम में लगभग 450 पुलिसकर्मी अपने परिवारजनों एवं बच्चों के साथ उपस्थित रहे। पुलिस लाइन से सूचना केंद्र तक आने-जाने के लिए पुलिस परिवारों हेतु निःशुल्क बसों की विशेष व्यवस्था भी की गई थी, जिससे सभी प्रतिभागियों को सुविधा मिल सके। प्रसिद्ध जादूगर आंचल ने अपनी अद्भुत कला, रोमांचक जादुई करतबों और आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने जादू के हैरतअंगेज करतबों का भरपूर आनंद लिया। उनकी प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार में उत्साह, रोमांच और मनोरंजन का माहौल बनाए रखा। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पुलिस परिवारों के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम पुलिस परिवारों को मानसिक सुकून देने के साथ-साथ परिवारों और विभाग के बीच आत्मीयता एवं जुड़ाव को भी मजबूत करते हैं। आयोजन ने पुलिस विभाग और पुलिस परिवारों के बीच विश्वास, सम्मान और पारिवारिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया। साथ ही पुलिस कार्मिकों के मनोबल को बढ़ाने में भी यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण साबित हुआ।